5 मैं बनूंगा सरपंच
भारत निर्वाचन आयोग की मंजूरी से गुरुग्राम में 21 नए मतदान केंद्र बने

6 अभिमत
इजरायल की जलवायु संबंधी तकनीक

9 देश/विदेश
विक्रम-एस का सफल परीक्षण भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण : पीएम

11 धर्म
हर कार्य में अत्यंत शुभ और मंगलमयी हैं पंचमुखी गणेश

RNI NO. HARHIN/2018/75109
फरीदाबाद, शनिवार, 19 नवंबर, 2022

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

स्व. चेतन चौहान मैमोरियल वैटरन क्रिकेट टूर्नामेंट

पेज - 12

कॉलेज में पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा उन्नत कंप्यूटर और एनीमेशन व्यवसाय में रोजगार की संभावनाएं विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला (14 नवंबर-18 नवंबर 2022 तक) के पांचवें और अंतिम दिन वीएफएक्स प्रभाव और उनकी बढ़ती लोकप्रियता और छात्र इसमें अपना करियर कैसे बना सकते हैं पर एक वार्ता आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन 'माया एकेडमी ऑफ एडवांस्ड सिनेमैटिक्स' के सहयोग से किया गया है जिसे एमएएसी के नाम से जाना जाता है। प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में महाविद्यालय इस तरह की गतिविधियों का संचालन करता रहता है। सत्र की शुरुआत कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सचिन गर्ग के स्वागत भाषण से हुई। डॉ. संजीव गुप्ता (प्रभारी विंग तृतीय) ने छात्रों को मीडिया उद्योग में बढ़ती नौकरी की संभावनाओं के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि कॉलेज का मैक के साथ समझौता ज्ञापन है और मैक इस क्षेत्र में नौकरियों और प्लेसमेंट के संबंध में छात्रों को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। मंच संचालन डॉ. पूजा गुप्ता ने किया। आज के सत्र में प्रोडक्शन एक्सपर्ट अंकित भाटिया और सहायक संकाय निखिल कश्यप मुख्य वक्ता थे। अंकित भाटिया ने 3डी एनीमेशन में मीडिया प्रोडक्शन और एमएएसी द्वारा पेश किए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में बताया। छात्रों के बीच अधिकतम रुचि और जिज्ञासा उत्पन्न करने के लिए कार्यशाला में फिल्में और एनिमेशन बहुत प्रभावी थे। कार्यशाला से कुल 120 विद्यार्थियों को लाभ हुआ। सत्र अत्यधिक संवादात्मक था और पूनम शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ। कार्यशाला में शिखा अरोड़ा, पारुल, निशा और मधु सहित कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. शिल्पा गोयल, संयोजक और डॉ. सचिन गर्ग, डीन डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस के प्रयास के कारण, यह कार्यशाला सफल और सार्थक सिद्ध हुई।